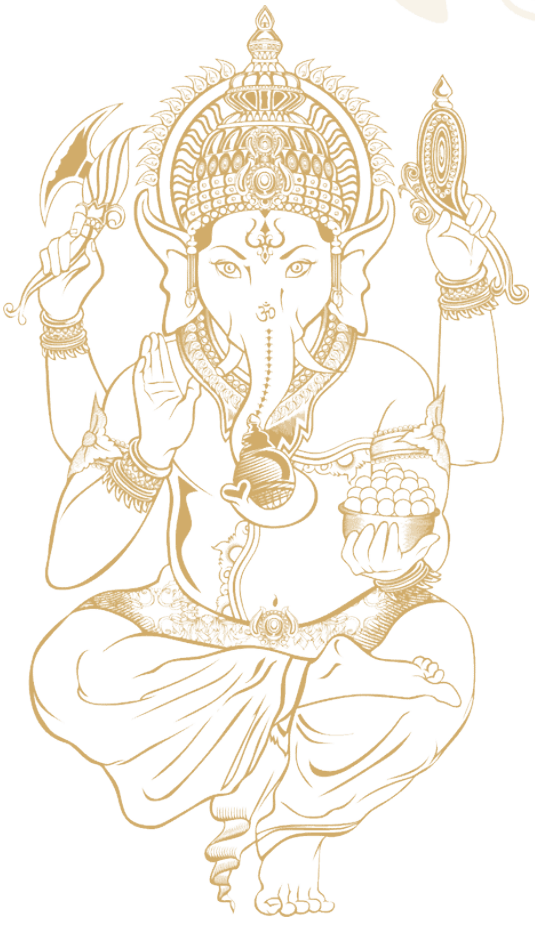

Mr.Devank singhaniya

Ms.Yashika Agarwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121014202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/01/2003	जन्म तिथि	7-08/04/2000
शनिवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 12:58:00	जन्म समय	02:19:00 घंटे
घटी 15:21:53	जन्म समय(घटी)	50:31:15 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:14	सूर्योदय	06:06:29
17:58:20	सूर्यास्त	18:30:32
23:53:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:23

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 4मा 23दि	13:47:26	मेष	लग्न	मक	14:58:27	सूर्य 2वर्ष 0मा 16दि
शुक्र	26:45:13	धनु	सूर्य	मीन	24:28:38	राहु
05/06/2007	04:57:25	मेष	चंद्र	वृष	05:27:14	25/04/2019
05/06/2027	02:19:14	वृश्चि	मंगल	मेष	17:40:03	25/04/2037
शुक्र 05/10/2010	27:58:55	धनु व	बुध	कुंभ	28:44:30	राहु 05/01/2022
सूर्य 05/10/2011	21:58:37	कर्क व	गुरु	मेष	16:52:57	गुरु 31/05/2024
चन्द्र 05/06/2013	09:53:38	वृश्चि	शुक्र	मीन	07:29:26	शनि 07/04/2027
मंगल 05/08/2014	29:47:33	वृष व	शनि	मेष	22:26:44	बुध 24/10/2029
राहु 05/08/2017	13:55:43	वृष	राहु व	कर्क	06:16:13	केतु 12/11/2030
गुरु 05/04/2020	13:55:43	वृश्चि	केतु व	मक	06:16:13	शुक्र 11/11/2033
शनि 05/06/2023	02:50:56	कुंभ	हर्ष	मक	26:04:06	सूर्य 06/10/2034
बुध 05/04/2026	16:01:55	मक	नेप	मक	12:27:40	चन्द्र 06/04/2036
केतु 05/06/2027	24:44:41	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:53:43	मंगल 25/04/2037

लग्न-चलित

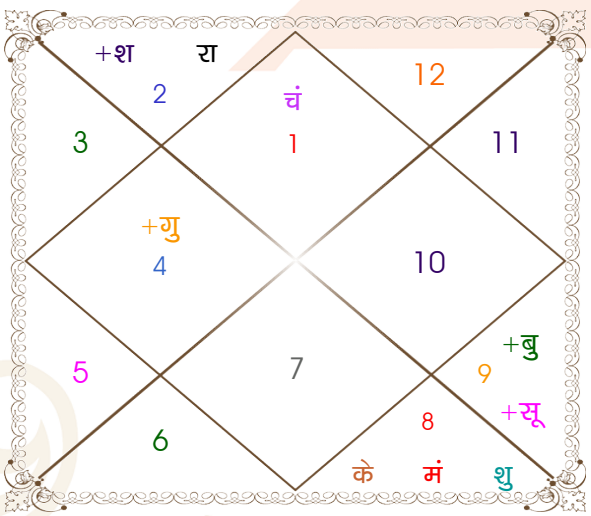

लग्न-चलित

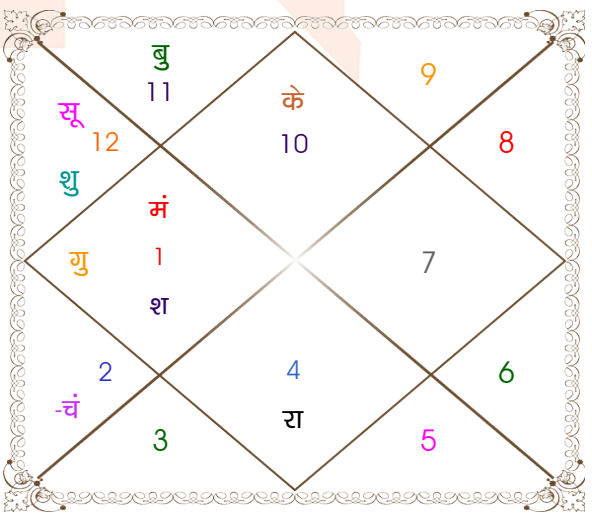

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्क्मअंदा`पदहींदपलं का वर्ग सिंह है तथा डेण्लेपां ।हंतूंस का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्क्मअंदा`पदहींदपलं और डेण्लेपां ।हंतूंस का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्क्मअंदा`पदहींदपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्क्मअंदा`पदहींदपलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्लेपां ।हंतूंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्लैपां ।हंतूंस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्लैपां ।हंतूंस कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण्लैपां ।हंतूंस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्क्मअंदा`पदहींदपलं तथा डेण्लैपां ।हंतूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।